THE VILLAGE
INTERNATIONAL SCHOOL
"We Nurture Dreams"

DATE- 30/07/2024 **GRADE- 9 AB**	**CPE-1 [2024 -25]** **HINDI**	**Max marks- 20** **Time –50 mins**

सामान्य निर्देश :

1. **निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए |**
2. **प्रश्नों के उत्तर अंक अनुसार व क्रमानुसार दीजिए |**

प्रश्न		**अंक**
I	**नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए**	
	आज कुछ छात्र अपने पैरों पर कुल्हाड़ी स्वयं चला रहे हैं।अपने पैरों पर कुल्हाड़ी चलाने का संबंध उन छात्रों से है, जो अपना समय, अपने माता-पिता का पैसा और ज्ञान प्राप्त करने का स्वर्णिम अवसर खो रहे हैं।ऐसे छात्र जो समय , धन और मौका तीनों चीज़ों से हाथ धो रहे हैं, जीवन में दुखी होने का प्रबंध कर रहे हैं, क्योंकि इन तीनों चीज़ों का सदुपयोग ही मनुष्य को सुख प्रदान करता है। ऐसे छात्र पढ़ाई को 'हौआ' मान बैठते हैं। जानते हैं, उसका असल कारण क्या है? असल कारण है-पढ़ाई के प्रति अरुचि पैदा होना और भौतिक वस्तुओं, पदार्थों या किसी प्राणी के प्रति अत्यधिक रुचि पैदा होना। जिस कार्य को आप शौक से, पूरी लगन से, करना आरंभ करते हैं, उसमें आप को छोटी या बड़ी सफलता अवश्य मिलती है। जब सफलता मिलनी आरंभ होती है तो रूचि बढ़ने लगती है। जब हम किसी कार्य को अनमने भाव से करते हैं, तो हमें असफलता का ही सामना करना पड़ता है, जिससे अरुचि उत्पन्न होती है। किसी भी छात्र से यह उम्मीद की जाती है कि वह अपने तन,मन, और बुद्धि को सुदृढ़ बनाए और इसके लिए आवश्यक है कि उसकी अध्ययन और खेल दोनों में ही रुचि हो। लेकिन जिन विद्यार्थियों की अध्ययन और खेल दोनों में ही अरुचि है, वे अपने पैरों पर कुल्हाड़ी ही तो चला रहे हैं।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए -	
1.	ऊपर दिए गए अपठित गद्यांश में किस विषय पर चर्चा हो रही है? अ) समय का सदुपयोग ब) कुल्हाड़ी का सही उपयोग स) शिक्षा के प्रति अरुचि का कारण द) खेलों और शिक्षा का महत्व	**1 x 1 = 1**
2.	शिक्षा में असफल होने का कारण है- अ) कार्य को अनमने भाव से करना। ब) असफल होना	**1 x 1 = 1**

	स)पढ़ाई में अरुचि की उत्पत्ति द) उपरोक्त सभी	
3.	"अपने पैरों मे कुल्हाड़ी मारना" का आशय है- अ) लापरवाही सै काम करना। ब) धन बर्बाद करना। स) अपना नुकसान स्वयं करना। द) कुल्हाड़ी चलाना न आना।	**1 x 1 = 1**
4.	अनुच्छेद के अनुसार विद्यार्थियों से क्या अपेक्षित है ? किसी भी छात्र से यह उम्मीद की जाती है कि वह अपने तन,मन, और बुद्धि को सुदृढ़ बनाए और इसके लिए आवश्यक है कि उसकी अध्ययन और खेल दोनों में ही रुचि हो।	**2 x 1 = 2**

	व्यावहारिक व्याकरण	
II	निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए	
1.	**प्रत्यय और मूल शब्द को अलग कीजिए** **A. नम्रता - नम्र + ता** **B. ईमानदारी - ईमानदार + ई**	**2 x ½ =1**
2.	**उपसर्ग और मूल शब्द को अलग कीजिए** **A. अनुशासन - अनु + शासन** **B. प्रतिदिन - प्रति + दिन**	**2 x ½ =1**
4 .	**वाक्य के भेद लिखिए** **A.** बारिश होते ही खेल बंद हो गया **|**- संकेतवाचक **B.** मुझे तुम बिलकुल पसंद नहीं हो **|**- निषेधवाचक **C.** वाह! कितना सुन्दर घर है **|**- विस्मयवाचक	**3 x 1 = 3**
	पाठ्यपुस्तक	
III	सार-आधारित प्रश्न **(Extract Based Questions)** पद्यांश को पढ़कर पूंछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए **–** अब कैसे छूटे राम नाम रट लागी। प्रभु जी, तुम चंदन हम पानी, जाकी अँग-अँग बास समानी। प्रभु जी, तुम घन बन हम मोरा, जैसे चितवत चंद चकोरा। प्रभु जी, तुम दीपक हम बाती, जाकी जोति बरै दिन राती। प्रभु जी, तुम मोती हम धागा, जैसे सोनहिं मिलत सुहागा। प्रभु जी, तुम स्वामी हम दासा, ऐसी भक्ति करै रेदासा॥	**3x 1 =3**

	i. प्रस्तुत पद्यांश में रैदास किसकी भक्ति कर रहे हैं**?** (क) श्री कृष्ण (ख) राम (ग) प्रेम (घ) देवी माँ **ii.** रैदास ने खुद को पानी तो भगवान को क्या बोला**?** (क) बर्फ (ख) चंदन (ग) अमृत (घ) इनमे से कोई नहीं **iii.** रैदास ने खुद को मोर तो भगवान को क्या बोला**?** (क) बादल (ख) मोरनी (ग) बसंत (घ) इनमे से कोई नहीं	
IV	निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **1** प्रश्न का उत्तर लिखिए **:-** **1. 'अग्निपथ' कविता से हमें क्या सीख मिलती है ?** अग्निपथ कविता महान कवि हरिवंश राय बच्चन द्वारा रचित है। इस कविता का मूलभाव है-निरंतर संघर्ष करते हुए जियो। कवि जीवन को आग-भरा पथ मानता है। इसमें पग-पग पर चुनौतियाँ और कष्ट हैं। मनुष्य को चाहिए कि वह इन चुनौतियों से न घबराए। न ही इनसे मुँह मोड़े। बल्कि वह आँसू पीकर, पसीना बहाकर तथा खून से लथपथ होकर भी निरंतर संघर्ष करता रहे। **2.** लेखक अतिथि से क्यों परेशान थे **?** लेखक पहले तो घर आए अतिथि का गर्मजोशी से स्वागत करता है परंतु दूसरे ही दिन से उसके व्यवहार में बदलाव आने लगता है। यह बदलाव आधुनिक सभ्यता की कमियों का स्पष्ट लक्षण है। मैं इस बात से पूर्णतया सहमत हूँ। लेखक जिस अतिथि को देवतुल्य समझता है वही अतिथि मनुष्य और कुछ अंशों में राक्षस-सा नजर आने लगता है। उसे अपनी सहनशीलता की समाप्ति दिखाई देने लगती है तथा अपना बजट खराब होने लगता है, जो आधुनिक सभ्यता की कमियों का स्पष्ट प्रमाण है	**1 x 2 =2**
	लेखन	
V	किसी **1** विषय पर अनुच्छेद लेखन कीजिए **[1०० words]** - विषयवस्तु - व्याकरण - रचना - संरचना	**1 x 3 =3**
VI	किसी **1** विषय पर संदेश लेखन कीजिए - विषयवस्तु - व्याकरण - रचना - संरचना	**1 x 2 =2**